**GOVERNMENT CHANDULAL CHANDRAKAR ARTS AND SCIENCE COLLEGE PATAN, DURG (C.G.)**

# REPORT OF THE PROGRAM
## 2023-24

| S.N. | PROGRAM POINTS | PROGRAM DETAILS |
|---|---|---|
| 1 | Name of the Program: | World Population Day-2023<br>(1) Speech (2) Slogan writing (3) Poster competition |
| 2 | Date of the Program: | 11.07.2023 |
| 3 | Name of the Department / Cell / Committee (Organized by): | NSS |
| 4 | Name of the Organizer: | Dr. Pushpa Minj |
| 5 | Coordinator/Convener Name: | Prof. B. M. Sahu |
| 6 | Number of Participants (Attach the list below): | 40 |
| 7 | Total No. of Beneficiaries (Attach the list below): | All NSS volunteers |
| 8 | Chief Guest of the Program | Prof. B. M. Sahu |
| 9 | President of the Program | Dr. R. K. Verma |
| 10 | Program Conducted By: | Department of Sociology and NSS units |
| 11 | PRESS Report, if published (Online link, Offline-Press Report) | Press Report on population Increase is attached. |
| 12 | Brief Report of the Program:<br> <br> | World Population Day, marked annually on 11 July, seeks to focus attention on the urgency and importance of population issues. Dr. K.C. Zachariah is said to be the father of World.<br><br>Unleashing the power of gender equality: Uplifting the voices of women and girls to unlock our world's infinite possibilities. What women and girls want matters.<br><br>Join hands to control the population and save this world. Want to have a better life? Say no to overpopulation. Empowering Choices, Sustainable Future!<br><br>Conclusion. World Population Day is a call to action to address population issues and their impact on sustainable development. By focusing on this year's theme, we can highlight the importance of investing in young people to create a more equitable and prosperous world.<br><br>In the present program, 03 events were organized-<br>(1) Speech Competition- Prizes- First- Taweri, Second-Priyanka, Third-Yogita<br>(2) Slogan writing competition Prizes- First-Dhatri Second-Taweri Third-Bhumika and Dimple<br>(3) Poster making competition- Prize- Frist- Priyanka Second-Yogita Third-Mansi |

**Dr. Pushpa Minj** **Dr. Sadhna Rahatgaonkar** **Principal**

HoD/ORGANIZER COORDINATOR PRINCIPAL

**Government Chandulal Chandrakar Arts and Science College Patan, dist.-Durg (C.G.)**
**WORLD POPULATION DAY 11.07.2023**

दिनांक 11-07-23

विश्व जनसंख्या दिवस

आज विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्लोगन, पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें निम्न विद्यार्थी विजयी रहे -

भाषण प्रतियोगिता - प्रथम - टावेरी निर्मलकर द्वितीय - प्रियंका साहू तृतीय - योगिता साहू

स्लोगन प्रतियोगिता - प्रथम - छात्री साहू द्वितीय - टावेरी निर्मलकर, तृतीय - भूमिका वर्मा एवं डिम्पल निर्मलकर

पोस्टर प्रतियोगिता - प्रथम - प्रियंका साहू द्वितीय - योगिता साहू एवं तृतीय - मानसी वर्मा

सभी विजेताओं को प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी रा.से.यो. ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. आर. के. वर्मा प्रो. जितेन्द्र भण्डारी प्रो. बी. एन. साहू एवं अधिकारी कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. पुष्पा मिंज कार्यक्रम अधिकारी रा. से. यो. इकाई 02 ने किया।

| क्र. | नाम | हस्ताक्षर |
|---|---|---|
| 1 | मौसमी निर्मलकर | मौसमी निर्मलकर |
| 2. | तुषिका साहू | [signature] |
| 3 | टावेरी ~~टावेरी~~ निर्मलकर | टावेरी निर्मलकर |
| 4. | धामिनी धीवर | धामिनी धीवर |
| 5 | डिम्पल निर्मलकर | डिम्पल निर्मलकर |
| 6. | छात्री साहू | छात्री साहू |
| 7. | भूमिका वर्मा | भूमिका वर्मा |
| 8. | प्रियंका देवांगन | प्रियंका देवांगन |
| 9. | काजल विश्वकर्मा | काजल |
| 10 | पूर्णिमा बंजारे | पूर्णिमा |

| नाम | हस्ताक्षर |
|---|---|
| (11) ज्योति यादव | ज्योति |
| (12) पायल | पायल साहू |
| (13) गायत्री साहू | गायत्री |
| (14) दिप्ती भारती | Dipti Bharti |
| (15) देविका वर्मा | Devika |
| (16) हुंकारिका भारती | Hunkarika |
| (17) योगिता साहू | Yogita Sahu |
| (18) मानसी वर्मा | मानसी |
| (19) प्रियंका साहू | प्रियंका साहू |
| (20) भुमिका सिन्हा | भुमिका सिन्हा |
| (21) किरण वर्मा | किरण वर्मा |
| (22) दुर्गा चतुर्वेदानी | दुर्गा चतुर्वेदानी |
| (23) प्रियंका साहू | प्रियंका साहू |
| 24 - रुबी डहरे | Ruby |
| 25 - रीतू सागड़े | Ritu |
| 26 - ध्रुवी ढीसरे | ध्रुवी |
| 27 - हुल[redacted] | Huleshwari |
| 28 - री[redacted] | Reena |
| 29 - मुस्कान सोनवानी | मुस्कान |
| 30) नम्रता बघेल | Namrata |
| 31) पेमीन चन्द्राकर | पेमीन |
| 32) सोनाली सिन्हा | Sonali |
| 33) नंदिनी देवांगन | Nandini |
| 34) सागर वर्मा | Sagar |
| 35) यशराज भारती | यशराज भारती |
| 36) प्रियांशु नाग | Priyanshu |
| (37) अंकित कोसे | अंकित कोसे |
| 38) विशाल यदु | विशाल |
| (39) मकरध्वज | मकरध्वज |
| (40) शिवम- यदु | शिवम- यदु |
| (41) हेमंत कोसे | हेमंत कोसे |
| (42) अमन देवांगन | Aman |

**WORLD POPULATION DAY 11.07.2023**

**WORLD POPULATION DAY 11.07.2023**

**WORLD POPULATION DAY 11.07.2023**

**WORLD POPULATION DAY 11.07.2023**

**WORLD POPULATION DAY 11.07.2023**

दैनिक

आज विश्व जनसंख्या दिवस

पॉपुलेशन वॉच | दुनिया 8,04,50,68,095

Fena No. 1 क्वालिटी डिटर्जेंट*

80 प्रतिशत ग्राहकों ने फेना को No. 1 पाया है*

लैब टेस्ट में फेना No. 1 है*

MRP

* स्वतंत्र मार्केट रिसर्च एजेंसी I3RC इनसा

**भास्कर Research** • वर्ल्ड बैंक का डेटा; 1974 से 2023 के बीच

# जन ही धन... 50 साल में आ

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

आज जन-बल में हम दुनिया में नंबर-1 हैं। महज 28 साल की औसत उम्र के साथ हम दुनिया के सबसे युवा देश हैं। यह जोशीली वर्कफोर्स हमारे लिए बड़ा अवसर भी लाई है। इसी के दम पर हमारी इकोनॉमी मजबूत हो रही है। सबूत है, वर्ल्ड बैंक के ये आंकड़े, जो कहते हैं- 1974 से 2023 के बीच भारत की आबादी सालाना औसतन 2% बढ़ी है, जबकि अर्थव्यवस्था की औसत गति 6% रही यानी पिछले 50 साल में आबादी के मुकाबले हमारी इकोनॉमी तीन गुना तेजी से बढ़ी है। मिडिल क्लास पर शोध करने वाली देश की अग्रणी संस्था प्राइस रिसर्च के एमडीओ और सीईओ राजेश शुक्ला कहते हैं कि इस बड़ी आबादी को 'अवसर' में बदलना हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में ज्यादा से ज्यादा स्किल्ड वर्कर तैयार करने की जरूरत है। चीन में 40% महिलाएं वर्कफोर्स का हिस्सा हैं, जबकि हमारे यहां सिर्फ 17% यानी यहां भी हमारे लिए भरपूर संभावनाओं के द्वार खुले हैं।

## मिथक; बड़ी आबादी गरीबी बढ़ाएगी...

## सच- जब हम 61 करोड़ थे तब 57% लोग गरीब थे, 138 करोड़ में 28% ही

'इंसान अपने आप में बड़ा संसाधन है। एक इंसान का एक आइडिया करोड़ों लोगों का पेट पालने में समर्थ है।'

- 1974 में जब हमारी जनसंख्या करीब 61 करोड़ थी, तब कुल आबादी के 56% लोग गरीब थे। 2011 के बाद से हमने अपने गरीबों की गिनती नहीं की। लेकिन संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2019 में (आबादी 138 करोड़ थी।) देश के 28% लोग ही गरीबी रेखा से नीचे मिले। **यानी** आबादी बढ़ने से गरीबी बढ़ी नहीं, बल्कि घट गई क्योंकि हमने संसाधन ज्यादा तेजी से बढ़ाए हैं।